>

Title : Regarding reported involvement of a Cabinet Minister in alleged irregularities in allocation of Booths in Chandigarh.

**श्रीमती सुषमा स्वराज (विदिशा):** माननीय अध्यक्ष महोदया, चंडीगढ़ की सड़कों पर पुलिस बल कार्रवाई हुई है, भारतीय जनता पार्टी के 1,000 कार्यकर्ता गिरफ्तार हुए हैं। ...(व्यवधान) धारा 144 लगाई गई है।...(व्यवधान)

**11.03 hrs.**

-

*At this stage Shri Mulayam Singh Yadav and some other hon. Members came and stood on the floor near the Table.*

â€¦(व्यवधान)

**अध्यक्ष महोदया :** आप वापिस जाइए।

â€¦(व्यवधान)

**अध्यक्ष महोदया :** आप इसे जीरो आवर में उठाइए।

â€¦(व्यवधान)

**अध्यक्ष महोदया :** आप बैठ जाइए। आप जीरो आवर में बोलिए।

â€¦(व्यवधान)

**अध्यक्ष महोदया :** आप सुन लीजिए, सिर्फ तीन दिन ही क्वैश्चन आवर चलेगा, इसे चल जाने दीजिए और जीरो आवर में उठा लीजिए। 17 तारीख के बाद क्वैश्चन आवर नहीं है तब आप जितना चाहें बोल सकते हैं। मेरा अनुरोध है कि तीन दिन क्वैश्चन आवर चलने दीजिए।

â€¦(व्यवधान)

**11.04 hrs.**

*At this stage Shri Mulayam Singh Yadav and some other hon. Members went back to their seats.*

**अध्यक्ष महोदया :** हम आपको जीरो आवर में बुलवाएंगे।

â€¦(व्यवधान)

**श्रीमती सुषमा स्वराज :** अध्यक्ष महोदया, आपने जो बात कही, वह बहुत वैध है लेकिन हमारी ओर से सस्पैंशन ऑफ क्वैश्चन ऑवर का जो नोटिस दिया गया है, वह साधारण मसले पर नहीं है। वह अत्यंत गम्भीर मसला है। आज तक कभी भी मंत्री के नाम का उल्लेख करके रिपोर्ट नहीं आयी है लेकिन पहली बार चंडीगढ़ में बूथ घोटाले में संसदीय कार्य मंत्री का नाम लेकर रिपोर्ट आयी है और यह कहा है कि चंडीगढ़ में बूथ माफिया ऑपरेट कर रहा है। उस बूथ माफिया को संसदीय कार्य मंत्री का संरक्षण प्राप्त है। रिपोर्ट में कहा गया है कि सी.बी.आई को मामला रैफर करना चाहिये और यह भी कहा है कि सी.बी.आई. इस बात की जांच करे कि इलैक्शन फंड में कितना पैसा संसदीय कार्य मंत्री को दिया गया...(व्यवधान)

MADAM SPEAKER: Hon. Minister wants to say something.

...(*Interruptions*)

**श्रीमती सुषमा स्वराज :** अध्यक्ष महोदया, यह रिपोर्ट में है, मैं नहीं कह रही हूं। बीजेपी वाले भी नहीं कह रहे हैं एक रिपोर्ट आयी है जिसमें यह कहा गया है कि सी.बी.आई. की इंक्वायरी इस मामले में करवाई जाये और यह पता लगाया जाये कि कितना इलैक्शन फंड वहां के मेयर और संसदीय कार्य मंत्री को दिया गया है? इसलिये मेरा आपसे अनुरोध है कि आप प्रश्नकाल स्थगित करके यह मामला उठाने की अनुमति दीजिये। â€¦(व्यवधान)

**कई माननीय सदस्य :** यह क्या हो रहा है,यह समय ज़ीरो ऑवर का नहीं है।...(व्यवधान)

**श्रीमती सुषमा स्वराज :** यह ज़ीरो ऑवर का मामला नहीं है। यह एक रिपोर्ट का मामला है...(व्यवधान)

**अध्यक्ष महोदया :** मंत्री महोदय को बोलने दीजिये।

**संसदीय कार्य मंत्री, विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्री तथा पृथ्वी विज्ञान मंत्री (श्री पवन कुमार बंसल):** अध्यक्ष महोदया, बेशक अपने इतने राजनैतिक जीवन में अनुभव तो बहुत रहे हैं...(व्यवधान) सुषमा जी, आपने अपनी बात पूरी कही, मैं आपका बहुत धन्यवादी हूंगा कि आप मेरी बात सुन लें, उसके बाद बेशक आप कहते रहिये। पहले मेरी बात सुन लें। यह अनुभव मुझे पहली बार हो रहा है कि अपनी तरह की एक अजीब जानकारी मिल रही है कि जिस चीज़...(व्यवधान)

**अध्यक्ष महोदया :** पहले आप इनकी बात सुन लीजिये।

**श्री पवन कुमार बंसल :** नेता विपक्ष, बड़ी काबिल वकील भी हैं लेकिन मुझे मालूम नहीं था...(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदया, इस बात के लिये उकसाया जा रहा है। इस बात का फायदा नहीं लेना चाहिये कि विपक्ष की नेता अपनी बात कह दें लेकिन उसके बाद इशारा कर दें और दूसरे लोग खड़े हो जायें। यह नहीं होना चाहिये। हमने उनकी बात सुन ली है। अब मुझे अपनी बात कहने दीजिये। मैं आप लोगों की साज़िश की एक-एक बात आपके सामने साफ ज़ाहिर कर देना चाहता हूं।

अध्यक्ष महोदया, यह पहली बार हो रहा है कि तीन-तीन बार, चार-चार बार लगातार हारने के बाद एक ओहदे के लिये पार्लियामेंट की सदस्यता के लिए, मुझे नहीं मालूम था कि लोग यहां तक पहुंच सकते हैं। ये किस रिपोर्ट के बारे में जिक्र करते हैं? मैं बता देना चाहता हूं कि ...(व्यवधान) सिद्धू जी शोर करने से बात नहीं बनेगी। मैं जानता हूं कि आप वहां भी यही करते रहे हैं। आपने लोगों को उकसाने की कोशिश की है। आप देखिये कि वहां माहौल क्या है? आप हाथ पर सरसों नहीं जमा सकते हैं। आप हाथ पर सरसों नहीं पैदा कर सकते हैं। आप यह करने की कोशिश कर रहे हैं। मैं एक बात स्पष्ट तौर पर कह देना चाहता हूं कि इंक्वायरी के लिये मैंने भी कहा है। सी.बी.आई. की बेशक इंक्वायरी हो जाये लेकिन इनके सदस्य जो यह इलज़ाम लगा रहे हैं और आज पूरे पार्लियामेंट के सदस्य इलज़ाम लगा रहे हैं। ये लोग अपनी तरफ से वहां एफिडेक्टि दें।

...(व्यवधान) कि जो बात है। महोदया, यह बात है।

महोदया, मैं फिर से यह कह देना चाहता हूं कि there was no magisterial inquiry. कोई मैजिस्ट्रेट की इंक्वायरी भी नहीं हुई। एक अफसर जो वहां लोगों को हर वक्त तंग करता था और ये लोग उनकी बात करते हैं। वह इनके लोगों को भी हर वक्त तंग करता रहा, लोगों को गालियां देता रहा अगर उसके खिलाफ मैंने वहां कार्रवाई करने के लिए बात की...(व्यवधान) अपने वहां तक जाने के बाद, एक लाइन, कोई मैजीस्ट्रीयल इंक्वायरी नहीं, कोई किसी की इंक्वायरी नहीं, एक काम जो उसे एक हफ्ते में कर लेना चाहिए था, उसने एक साल के लिए अपने पास फाइल रखी...(व्यवधान) और इनके कहने पर, इनके साथ साजिश के तहत, Madam, it is a mendacious allegation against me. मैं यह कह देना चाहता हूं कि आज मुझे नहीं मालूम था कि नेता विपक्ष भी बिना किसी बात को जानते हुए, बिना रिपोर्ट देखे हुए...(व्यवधान) और बिना यह जानते हुए कि यह रिपोर्ट क्या है,...(व्यवधान) लेकिन इस बात पर आ गये, मैडम ये लोग इतनी छोटी बात पर आ गये,...(व्यवधान)

**अध्यक्ष महोदया :** अब हो गया।

â€¦(व्यवधान)

**श्री पवन कुमार बंसल :** महोदया, इतनी छोटी और नीचे की बात पर आ सकते हैं। आप इसे देखिये कि यह क्या है? अगर आप इसे रिपोर्ट कह रहे हैं, आपकी तरफ बड़े-बड़े वकील है।...(व्यवधान) आपके उधर वकील हैं।...(व्यवधान)

**श्रीमती सुषमा स्वराज :** मैडम, ...(व्यवधान) कोर्ट के रिकॉर्ड में...(व्यवधान)

**श्री पवन कुमार बंसल :** मैं कह रहा हूं कि यह नहीं है।...(व्यवधान)

**श्रीमती सुषमा स्वराज :** यह है।...(व्यवधान)

**श्री पवन कुमार बंसल :** यह किस चीज की है?...(व्यवधान) आप रिपोर्ट केवल किसे कह रहे हैं, मैं जानता हूं, मैंने देख ली है। यह रिपोर्ट आपके हाथ में पहले आयी थी।...(व्यवधान) अफसरों के हाथ में बाद में गयी थी। ...(व्यवधान) यह जिसे आप रिपोर्ट कह रहे हैं, यह आपके हाथ में पहले आयी थी।...(व्यवधान) यह असत्य और इल्जामात का पुलिन्दा है।...(व्यवधान)मैडम, मैं यह बात कहना चाहता हूं,...(व्यवधान) पहले तो मैं यह कहना चाहता था।...(व्यवधान)

**संसदीय कार्य मंत्री, विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्री तथा पृथ्वी विज्ञान मंत्री (श्री पवन कुमार बंसल):** आप जो जानना चाहते हैं, मैं वही बात कहना चाहता हूं। आपने कही, अब मैं अपनी बात कहना चाहता हूं।...(व्यवधान)

**श्रीमती सुषमा स्वराज (विदिशा):** आप बोलेंगे तो हम सुनेंगे कि आप क्या कहना चाहते हैं?

**श्री पवन कुमार बंसल :** अध्यक्ष महोदया, मुझे कोई नोटिस नहीं मिला था, लेकिन इसमें नोटिस की कोई बात नहीं है।...(व्यवधान)

**श्रीमती सुषमा स्वराज:** इसमें नोटिस की कोई जरूरत नहीं है।...(व्यवधान)

**श्री पवन कुमार बंसल :** जब किसी पर पर्सनल आरोप लगता है तो उसमें नोटिस होता है।...(व्यवधान)

**श्रीमती सुषमा स्वराज :** महोदया, मैं पहले मंत्री जी की इसी बात का जवाब देना चाहती हूं।...(व्यवधान)

**अध्यक्ष महोदया :** मंत्री जी को बोल लेने दीजिए। आप बैठ जाइए।

â€¦(व्यवधान)

**श्रीमती सुषमा स्वराज :** महोदया, मैं इनकी नोटिस की बात का जवाब देना चाहती हूं।...(व्यवधान)

**श्री पवन कुमार बंसल :** महोदया, मैंने कहा था, साथ ही साथ मैंने यह भी कहा था कि उसकी भी कोई बात नहीं है...(व्यवधान)

**अध्यक्ष महोदया :** आप इनको बोल लेने दीजिए।

â€¦(व्यवधान)

**श्रीमती सुषमा स्वराज :** महोदया, मैं इनकी नोटिस की बात का पहले जवाब देना चाहती हूं।...(व्यवधान)

**श्री पवन कुमार बंसल :** आप बाद में बता देना, मैं भी उस नियम को देख लूंगा।...(व्यवधान)

**अध्यक्ष महोदया :** आप उनको बोल लेने दीजिए।

â€¦(व्यवधान)

MADAM SPEAKER: Nothing is going on record except what the Minister is saying.

*(Interruptions) â€¦**

**श्री पवन कुमार बंसल:** मैडम, आज सुबह माननीय नेता विपक्ष और भारतीय जनता पार्टी की तरफ से माननीय सदस्यों ने मेरे व्यवहार पर...(व्यवधान)

**श्री मुलायम सिंह यादव (मैनपुरी):** आप इन्हें बोलने का मौका देंगे?...(व्यवधान)

**अध्यक्ष महोदया:** आपको सबसे पहले बोलने के लिए बुलाया था, अब आप बैठ जाइए। इनके बाद आपको बुलाएंगे।

â€¦(व्यवधान)

**श्री पवन कुमार बंसल:** मैडम, चंडीगढ़ में मेरे कुछ व्यवहार पर यहां टिप्पणी की है, क्योंकि विपक्ष नेता से यह बात उठी है, मैं उसे संजीदगी और गंभीरता से लेता हूं। मुझे विश्वास है कि उन्होंने कह दिया, उसके बाद मुझे अपनी बात कहने का मौका संसद में मिलेगा। गवर्नमेंट की स्कीम्स के तहत गरीब लोगों के लिए, बेशक वे झुग्गी-झोंपड़ी वाले हों, रोड साइड वर्कर्स हों उनके लिए स्कीम्स बनाई गई हैं। उन स्कीम्स के तहत प्रशासन उन पर अपनी पूरी तफतीश करने के बाद उन लोगों को उन प्लॉटों का आवंटन किया जाता है, इस केस में जो कमर्शियल बूथ हैं, जो रोड साइड वेंडर्स, रेहड़ी वालों के लिए हैं, वे आठ फुट बॉय आठ फुट के थे। मुझे एक हफ्ता पहले चंडीगढ़ से रात को 11 बजे एक फोन आया कि एक साल पहले से एक इंकवायरी चल रही है और उस इंकवायरी की रिपोर्ट मिली है, There are scathing remarks against you. मैंने जानना चाहा कि रिपोर्ट कब और कहां की है, उस वक्त मुझे कुछ पता नहीं लग पाया। सिर्फ मुझे यही पता लगा, क्योंकि मुझे एक वर्ष में किसी ऐसी इंकवायरी की जानकारी नहीं थी। मुझे इस बात का इल्म था और अपनी ईमानदारी के साथ यह पता था कि मैंने किसी तरह का कोई गलत काम नहीं किया है। ...(व्यवधान) मैंने यह कहा था कि इंकवायरी किसी ने कोई भी कर ली हो। मुझे बताया गया कि सी.बी.आई. इंकवायरी मांगी है, मैंने कहा कि यह मेरे हित में है, सी.बी.आई. इंकवायरी हो जानी चाहिए। मुझे यह ताज्जुब है और इस पर थोड़ी हैरानी भी होती है कि कभी सी.बी.आई. को गाली दे दी जाती है और कभी सी.बी.आई. से इंकवायरी मांगी जाती है। ...(व्यवधान) उस बात का भी जिक्र नहीं,...(व्यवधान)

MADAM SPEAKER: Nothing else will go on record.

*(Interruptions) â€¦**

**श्री पवन कुमार बंसल:** मैं एक हफ्ते के लिए यहां था, परसों मैं चंड़ीगढ़ गया और मैंने जानने की कोशिश की। जिसे रिपोर्ट कहा जाता है, वह प्रशासन की तरफ से नहीं, आपके बीच में ही जो कुछ लोग हैं, उनकी उस रिपोर्ट की एक कॉपी मुझे मिली, जो आपके हाथों में थी। ...(व्यवधान) उस रिपोर्ट में, जिसे ये पहले रिपोर्ट मानते हैं, मेरे खिलाफ जो बात कही गई है, मैं पहले उस बात का जिक्र कर दूं, बाद में उसका स्टेटस क्या है,...(व्यवधान)

सिद्धू जी, गुस्सा मत करिए। पांच साल के बाद जब आप आएंगे, जब आप तीन वर्ष के बाद अमृतसर को छोड़ कर चंडीगढ़ आएंगे, उस वक्त आपस में लड़ाई कर लेंगे, आज रहने दीजिए। ...(व्यवधान)

मैडम, उसमें मेरे खिलाफ क्या लिखा है, मैं पहले उस बात का जिक्र कर दूं, उसके बाद आगे जाऊंगा, किस की रिपोर्ट क्या है, उसका जिक्र बाद में करूंगा। एक ऑफिसर एस.डी.एम., जो किसी वक्त चंडीगढ़ में थे, इस वक्त नहीं हैं। जिन्हें गवर्नमेंट, गवर्नर, एडवाइज़र ने नहीं, डिप्टी कमिश्नर ने एक लेटर लिख कर, जो इंटरनल होती है, हमें कुछ शिकायतें मिली हैं कि एक मार्केट में कुछ अनियमितताएं हुई हैं, उसकी आप तफतीश करके हमें रिपोर्ट दीजिए। एक एग्जेक्टिव आर्डर था, बहुत लोग कानून को जानते हैं, इसके बाद उस पर भी ज्यादा नहीं कहना कहूंगा, उसमें यह लिखा था कि जो काम एक हफ्ते में हो जाना चाहिए था, एक वर्ष में वह काम होकर रिपोर्ट पहुंची, हमें उसका कोई इल्म नहीं था। ये सब जानते हैं, इसके लिए कानून की नॉलेज की भी जरूरत नहीं कि अगर किसी के खिलाफ एक शब्द भी कोई एविडेंस में भी आया हो, उसको नोटिस होता है। उसकी बात सुनी जाती है, उसे क्रॉस एग्जामिन करने का मौका दिया जाता है।

वह सब नहीं था। उसमें लिखा क्या है, अब मैं उस पर आता हूं। उसमें लिखा था कि जब मैं इन्वैस्टीगेशन कर रहा था, तो चीफ सैक्रेट्री, यानी कि जो एडवाइजर वहां होते हैं, उन्होंने मुझे फोन करके पूछा कि पवन बंसल कह रहे हैं या पूछ रहे हैं, इस केस के बारे में। और केस क्या था-107/51 का केस। बूथ के आबंटन का केस नहीं था। जब मैंने 107/51 सुना, तो मुझे एकदम याद आया आज से एक वर्ष पहले मेरे पास कुछ लोग आए थे, जो हर वक्त मेरे घर, हर शनिवार और इतवार को मिलने बहुत बड़ी तादाद में आते हैं और जिन्हें मैं मिलने जाता हूं और जाता रहूंगा, जिनके काम करता हूं और करता रहूंगा, क्योंकि उनके काम करने के कारण ही

मैं यहां बार-बार वापस आ रहा हूं।

मेरे पास कुछ लोग आए थे। उन्होंने कहा था - जिन अफसर साहेबान का जिक्र हो रहा है, उन्होंने मेरे बेटे को तो पकड़ कर अन्दर कर दिया और दूसरों को छोड़ दिया। मैंने उनसे बात नहीं की। मैंने जो सीनियर मोस्ट ऑफीसर था, एडवाइजर टू एडमिनिस्ट्रेटर, जो चीफ सैक्रेट्री के बराबर होते हैं, उन्हें कहा कि ऐसा नहीं होना चाहिए। सभी के साथ बराबर का व्यवहार होना चाहिए और सभी के साथ एक ही ढंग से बर्ताव होना चाहिए और एक सी बात होनी चाहिए। अगर 107/51 में, जो ब्रीच ऑफ पीस का होता है, उसमें जो झगड़ा कर रहे हैं, उन सभी को अगर आप पकड़ना चाहते हैं, तो सभी को पकड़ कर अंदर कर दीजिए। अगर छोड़ना है, तो सभी को छोड़ दीजिए। बात वहीं खत्म हुई, क्योंकि न तो उन्होंने मुझे बाद में पता कर के बताया कि क्या हुआ और न मैं ने ही पूछा, वह बात वहीं खत्म हो गई।

उस बात के जिक्र से आज, उन्होंने कहा कि मुझे आश्चर्य हुआ कि मुझसे चीफ सैक्रेट्री ने, एडवाइजर टू एडमिनिस्ट्रेटर ने यह पूछा, उससे मुझे जाहिर हो गया कि पवन बंसल वहां बूथ माफिया को शैल्टर कर रहा है। यह मेरे खिलाफ लिखा है। उसके बाद आखिर में, फिर वह रिपोर्ट आपके पास होगी। ...(व्यवधान) और उसके बाद आखिर में यह लिखा है कि "मैं यह सिफारिश करता हूं कि इसमें आगे तफतीश की जाए सी.बी.आई. से" क्योंकि उन्हें डर है कि विजिलेंस वगैरह से जांच ठीक नहीं होगी। हम विजिलेंस में नहीं आते। हम सी.बी.आई. के तहत आ सकते हैं। उसमें मैं औरों का जिक्र नहीं करता, चंडीगढ़ में पचासों अफसर होते हैं, सभी का नाम लिख कर कह दिया कि सिर्फ दो आदमी ईमानदारी हैं। बाकी सभी, बेशक वह आई.जी. हो, बेशक वह एस.एस.पी. हो और बेशक वह एडवाइजर हो, बेशक होम सैक्रेट्री और फाइनेंस सैक्रेट्री हों, सभी से इस पर इन्क्वायरी करा लीजिए, क्योंकि मेरा उस चीज से कोई ताल्लुक नहीं है। मेरा ताल्लुक इस वक्त, चूंकि मेरा नाम आया है, इसलिए मुझे सिर्फ अपनी बात से ताल्लुक है। और मुझे सचमुच इस बात का खेद है कि आपने सारी जिंदगी एक काम पर लगा दी कि कैसा भी काम करो, ईमानदारी के साथ काम करो और अगर अपनी जगह छोड़कर यहां आए हैं, तो काम करना चाहते हैं।

सरोज जी ने यह बात चूंकि परसों मेरी गैर-हाजिरी में उठाई थी, इसलिए मैं तो आज यह कहना चाह रहा था कि आप बेशक सी.बी.आई. के माध्यम से इन्क्वायरी कर लीजिए। जे.पी.सी. बनाने की बात आप करते रहते हैं। मैं आपसे कह रहा हूं कि आप अकेले अपने लोगों की जे.पी.सी. बना लीजिए, लेकिन आज जिस ढंग से सभी खड़े हो गए, तो शायद इस बात को मुझे कहने में अब गुरेज हो रहा है। मैं चाह रहा था कि आपके बीच में ऐसे बहुत होंगे, सुषमा जी आप होंगीं, आडवाणी साहब आप होंगे, अगर मैं आपसे कहूं कि आप इसमें जिस कमेटी को बनाना चाहते हैं वह बना लीजिए और इन्क्वायरी कर लीजिए और अगर मामूली सी, एक तिनका सी बात भी मेरे खिलाफ आई, तो मैं आगे पार्लियामेंट की तरफ मुंह नहीं करूंगा, लेकिन ऐसा माहौल बनाना, सभी मेरे खिलाफ खड़े हो गए, यह ठीक नहीं है। यह मेरा गुनाह है कि मैं वहां से लगातार जीतता रहा और जो इस बात को सह नहीं पाए, वे इस बात से बौखलाए हुए हैं कि पहुंचना है पार्लियामेंट में और कॉर्पोरेशन के इलैक्शन नवम्बर में हैं और इसलिए ऐसा महौल बना दें कि कांग्रेस ऐसी है। ऐसा माहौल बनाने में हम और ज्यादा लगे हुए हैं।

मैडम, मैंने उसके बाद क्योंकि रिपोर्ट उनके हाथ में है और मैंने सही मायने में कहा कि उसके अंश मैंने पढ़े हैं, लेकिन वह रिपोर्ट मेरे हाथ में आज भी नहीं है। क्योंकि सरकार ने अभी, मैं वही कह रहा हूं कि आपके लोगों से ही मुझे अंश मिले हैं। वही मैं कह रहा हूं, मेरे पास वही हैं। मैडम, मैंने उसी वक्त चंडीगढ़ प्रशासन को इस बारे में जानकारी पाने के लिए एक पत्र लिखा था कि रिपोर्ट क्या है। मैडम, मैं यह कहना चाहता हूं कि रिपोर्ट कोई मैजीस्टीरियल इंक्वायरी की नहीं है। मैजीस्टीरियल इंन्क्वायरी का एक तरीका होता है। वह नोटीफाई होता है, उसके बाद लोगों को पब्लिक नोटिस जाता है। जिनके खिलाफ इल्जाम होता है, उनका आंसर आता है। क्या ये बता दें कि किसी एक कम्प्लेनेंट ने कहा हो कि उसे नोटिस मिला। कम्पलेंट क्या थी, वह मैं बताता हूं कि कुछ ने कहा कि बूथ हमें मिल जाने चाहिए, लेकिन नहीं मिले, कुछ ने कहा कि किन्हीं गलत लोगों को मिल गए, कुछ ने कहा कि हमारे पिता का देहान्त 1951 में हो गया था, आपके लोग उसका क्रैडिट लेते हैं कि उस वक्त वह स्कीम बनाई गई थी, 1951 में वे थे, लेकिन मेरे पिता जिनके नाम पर वह बूथ थी, उनका देहान्त हो गया और मैं उनका बेटा हूं वह मुझे मिल जाना चाहिए। अगर उनके लिए कोई पत्र लिख दे, तो इसमें क्या हर्ज है। वैसे मैंने वे पत्र भी निकाले हैं कि मैंने ऐसे कितने पत्र लिखे हैं। मैं पूछना चाहता हूं कि पत्र लिख देना क्या किसी गुनाह की बात होगी? और अगर वह गुनाह माना जाएगा, तो मैडम, वह गुनाह मैं करता रहूंगा। अगर लोगों के हित में कोई बात होगी, तो वह मैं करता रहूंगा, लेकिन मैं उसके बाद आगे कहना चाहता हूं, क्योंकि आज इस सदन में यह बात उठी है, मुझे इस बात का खेद है कि हम यहां इस पर समय लगा रहे हैं।

यहां हम समय इस पर लगा रहे हैं। आपके साथ बात करने के लिए मैं तैयार था, सभी ने वहां करके देख लिया और मैंने वहां 14 सवाल लिखे, जानकारी हासिल करने की कोशिश की कि यह इन्क्वायरी कब ऑर्डर हुई। अगर इन्क्वायरी ऑर्डर हुई तो क्या कोई पब्लिक नोटिस गया? नहीं गया। मुझे इस बात का खेद है कि आज सुषमा जी बता रही हैं कि हाथ में रिपोर्ट है, लेकिन अगर पूरी रिपोर्ट को पढ़ लिया जाता, पढ़ लिया होगा, मुझे नहीं मालूम। आप कह रही हैं तो पढ़ लिया होगा। मैं आपकी बात को मानता हूं कि पढ़ लिया होगा। पढ़ने के बाद अगर उसमें यह चीज़ जाहिर हो जाये कि क्या किसी ने बयान में पवन बंसल का नाम लेकर कहा? बयान किनके थे, सारे उन लोगों के, जिनको कुछ को नहीं मिला। दूसरों के, जो मार्केट में वहां कितने लोग हैं, किसी और को नोटिस उसका हुआ?

मैडम, एक दिन में एक अफसर 43 सफों की एक कम्पलेनेंट की एवीडेंस की नोटिंग कर रहा है। हो रही है। बताइये मुझे, हो सकती है क्या? एक अनपढ़ की पंजाबी में या हिन्दी में जो बोलेगा, 43 पेजेज़ की, 43 सफों का पूरा का पूरा बयान एक दिन में, एक तारीख में एंटर हो रहा है और अगर आप पढ़ें तो आपको पता लगेगा कि एक साल से इन्क्वायरी नहीं हो रही थी। जब चंडीगढ़ में गये, किसी जगह लिखा है वाटर रिसोर्सेज़ के मंत्री, कहीं लिखा है साइंस और टैक्नोलोजी के मंत्री...(व्यवधान)

**श्रीमती सुषमा स्वराज :** तब तक रीशफल हो गया था।...(व्यवधान)

**श्री पवन कुमार बंसल:** हां, हो गया था, लेकिन मैं वही बता रहा हूं कि शुरूआत कहां से हुई है। मुझे यहां के मार्केट के लोगों ने बताया है कि पवन बंसल से हमने बात कर ली है। आज शाम तक तुम्हारा यहां से तबादला कर देंगे और मैडम, यह बात मैं बार-बार कह रहा हूं, मैं इज्जत करता हूं, कोई किसी भी पद पर काम कर रहा हो, लेकिन मैं अपने आपको कंट्रोवर्सी में नहीं डालना चाहता, न कभी डाला है, चाहे वह एक एस.डी.एम. के बराबर हो, मैंने उनसे कभी बात भी नहीं की है। अगर मुझे कभी बात करने की जरूरत पड़ती थी तो उनके जो वरिष्ठ अधिकारी थे, उनसे बात करता था और इनके लिए बीसों बार बात करता हूं, आये हफ्ते बात करता हूं, लेकिन कहीं भी यह कह दिया जाये...

उसमें मैंने एक और चीज मांगी है कि किस एम.पी. ने, यानि कि मैं और किस एक्स एम.पी. ने, यानि कि भारतीय जनता पार्टी के समय जो बीच में एक्स एम.पी. थे, उन्होंने कौन-कौन से पत्र लिखे हैं। वे जवाब मुझे मिलने हैं। उससे दो बातें होंगी। अगर उन्होंने भी लिखे हैं और मैंने भी लिखे हैं तो एक ही गुनाह है। अगर उन्होंने कभी नहीं लिखे तो लोगों को क्यों गुमराह करते रहते हैं कि हम आपके लिए पत्र लिख रहे हैं, हम आपका काम करवाना चाहते हैं। इसका मतलब उनके

लिए काम नहीं करवाया और यह इल्जाम लगाते हैं। ये 8x8 फुट के बूथ गरीब लोगों को, जो लोग सड़कों पर बैठकर काम करते हैं, क्या आज हम चाहते हैं कि हम उनकी बात नहीं उठायें। क्या ऐसी बातें कहकर यह कोशिश, यह प्रयास किया जा रहा है कि आगे से मैं उनकी बात करना बन्द कर दूं, उनके लिए कहना बन्द कर दूं। मैं सब चीजों को भूलकर फिर कह रहा हूं, क्योंकि आगे बढ़ना होता है कि आप आज कमेटी बनाइये। आज भी आप कमेटी बना दीजिए, डाल दीजिए इधर के बीच के लोग, आप पर शायद मुझे अब उतना विश्वास नहीं रहेगा, मुझे यह कहने में खेद हो रहा है। आज सुबह मेरे मन में यह था, आज सुबह मेरे मन में अपने आप था, जब मैं चण्डीगढ़ पहुंचा तो उस वक्त ट्रंसक्रिप्ट मैंने हासिल किया, सरोज जी के यहां के उस दिन के स्टेटमेंट में मेरा नाम नहीं लिखा था। मैं उनका कल तक धन्यवाद करना चाहता था और मैं कहना चाहता था, क्योंकि this adverts to me; this alludes to me. इस कारण अगर आप कोई इन्क्वायरी करना चाहते हैं, आप सिर्फ अपने मैम्बर्स की कमेटी बना दीजिए, क्योंकि मुझे विश्वास था, जो मैं मानना चाह रहा था। मुझे विश्वास था, लेकिन गलती थी कि वह आप अपनी ही कमेटी बनाकर फैसला कर दीजिए, क्योंकि आप गलत नहीं करेंगे। लेकिन आज जैसे आपको गुमराह कर दिया गया, वहां से आपको कह दिया गया कि पता नहीं, क्या कर दिया और फिर कह रहे हैं, एक सरकारी रिपोर्ट में कभी ऐसा नहीं हुआ।

इस बात में मुझे कहने की जरूरत है, यह मैजिस्टीरियल इन्क्वायरी नहीं है, यह कमीशन ऑफ इन्क्वायरी ऑर्डर के तहत नहीं हुआ। यह एक अफसर का अपना अन्दरूनी काम था और वे अब फिर यह कहेंगे तो आप फिर उत्तेजित होंगे कि उसने अपना ओवरस्टैप किया है, लेकिन does not matter. हम लोगों को कोई बेशक अपने ज्यूरिस्डिक्शन को ओवरस्टैप भी करे, लेकिन उंगली हम लोगों पर नहीं उठ जानी चाहिए, यह मैं मानता हूं। बेशक वह आदमी अपना फंक्शन ओवरस्टैप कर रहा है, लेकिन क्या किसी ने यह जानने की कोशिश की कि वह सात साल वहां रहा, वह एक्सटेंशंस कैसे लेता रहा। मेरा उससे पहले किसी एक अफसर से झगड़ा था, लम्बा झगड़ा था। यह सभी को मालूम है कि उस प्रशासक के साथ उसके क्या ताल्लुकात थे। आप उनके लिए उस प्रशासक को कैसे उस वक्त you were patting him at that time. लेकिन बाद में आज आप कह रहे हैं कि वह मैंने बनाकर भेजा था, हम सब आपसी लड़ाई लड़ रहे हैं। उस वक्त उस अफसर से उनके साथ क्या ताल्लुकात थे और किस-किस से बात करके उसके बाद सिर्फ यह एक लाइन लिख कर वे कहते हैं, मैं यह पूरे अदब के साथ, पूरी इज्जत के साथ पार्लियामेंट में कहना चाहता हूं, This is an effort to vilify me, an effort to revile me. This is a mendacious allegation, Madam. This is an allegation, which is totally without basis.

It is a cheap -- and that word I am borrowing from you; I am not using my own word; your people have been using that word – It is a cheap gimmick; it is a cheap effort to tarnish the image of someone, who has built up his image assiduously over the years.

सुषमा जी, मैं यहां एक लास्ट में बात कहना चाहता हूं। आप जानते हैं कि वहां रिजल्ट क्या आते हैं? मुझे मालूम है घबराहट, तीन वÂाऩ बाद सिद्धू साहब या सुÂामा जी आप आ जाइए, फिर मैं आपको दिखाऊंगा कि वहां क्या होता है। ...(व्यवधान)

**अध्यक्ष महोदया :** श्री अखिलेश यादव।

â€¦(व्यवधान)

**श्रीमती सुषमा स्वराज :** अध्यक्षा जी, मंत्री जी बहुत भावावेश में बोल रहे थे और बहुत विस्तार से बोले। ...(व्यवधान)

**अध्यक्ष महोदया :** अब आपकी बात हो गयी। जीरो ऑवर चलने दीजिए।

â€¦(व्यवधान)

**श्रीमती सुषमा स्वराज :** अंत में उन्होंने मुझे चैलेंज किया है। ...(व्यवधान)

**अध्यक्ष महोदया :** जीरो ऑवर चलने दीजिए।

â€¦(व्यवधान)

**श्रीमती सुषमा स्वराज :** अध्यक्षा जी, मैं उनकी एक बात का जवाब देना चाहती हूं। ...(व्यवधान) सदन और आपको अवगत कराना चाहती हूं। ...(व्यवधान) आप सही नहीं कह रहे हैं। ...(व्यवधान)

**श्रीमती सुषमा स्वराज :** अध्यक्ष महोदया, आज सुबह प्रश्नकाल के दौरान हमारी तरफ से प्रश्नकाल स्थगित करने का नोटिस आपको दिया गया था। मैं जब उस विषय पर बोलने के लिए खड़ी हुई, तो शोरगुल के कारण हाउस स्थगित हो गया। उसके बाद शून्यकाल में मैंने पुनः इस विषय को उठाना चाहा, लेकिन संसदीय कार्य मंत्री बोलने के लिए खड़े हुए और आपने उन्हें बोलने का मौका दिया, तब मुझे लगा कि पहले मंत्री जी बोल लें, उसके बाद मैं उनकी बात का उत्तर दे दूंगी।

हमने पूरी शांति से संसदीय कार्य मंत्री जी को सुना लेकिन संसदीय कार्य मंत्री तो स्पष्टीकरण देने के बजाय प्रवचन देने लगे और अंत में उन्होंने चुनौती दे डाली।...(व्यवधान)

**अध्यक्ष महोदया :** आप बैठ जाइए।

â€¦(व्यवधान)

**श्रीमती सुषमा स्वराज :** अध्यक्ष जी, प्रवचन शब्द असंसदीय नहीं है। ...(व्यवधान)

**अध्यक्ष महोदया :** आप बैठ जाइए।

â€¦(व्यवधान)

**श्रीमती सुषमा स्वराज :** अध्यक्ष महोदया, प्रवचन शब्द असंसदीय नहीं है, साधु महात्मा प्रवचन देते हैं और मैंने कहा वह प्रवचन ही दे रहे थे लेकिन अंत में उन्होंने चुनौती दे डाली और चुनौती भी मुझे दे डाली। मैं संसदीय कार्य मंत्री जी से कहना चाहती हूं कि अगर आप लगातार जीत कर आ रहे होते तो भी मुझे आपकी अहंकारी भाषा समझ में आ सकती थी। लेकिन मैं पूछना चाहती हूं कि 1996 में चंडीगढ़ से कौन हारा? 1998 में चंडीगढ़ से कौन हारा? इन्हें हराने के लिए सिद्धू या सुषमा को जाने की जरूरत नहीं पड़ी, आपको वहां के स्थानीय नेता ने हराकर भेजा। मैं कहना चाहती हूं और आपको यह नसीहत देना चाहती हूं। ...(व्यवधान)

**अध्यक्ष महोदया :** आप बैठ जाइए। अब आप समाप्त करिए।

â€¦(व्यवधान)

**श्रीमती सुषमा स्वराज :** अध्यक्ष जी, उन्होंने जो चुनौती दी है मैं उसका जवाब दे रही हूं और तथ्य बता रही हूं। ...(व्यवधान)

**अध्यक्ष महोदया :** आप बैठिए। सुषमा जी, आप बोलिए।

â€¦(व्यवधान)

**अध्यक्ष महोदया :** सुषमा जी के अलावा किसी की बात रिकॉर्ड में नहीं जाएगी।

...(व्यवधान) *

**श्रीमती सुषमा स्वराज :** अध्यक्ष जी, मैं पवन जी को हित चिंतक के तौर पर सलाह देना चाहूंगी कि कभी बड़े बोल नहीं बोलने चाहिए। चुनाव का अखाड़ा बड़े-बड़े गरूरों को तोड़कर रख देता है इसलिए अभिमान मत करिए और अपनी चुनौती वापिस लीजिए।...(व्यवधान) मैं तो लोकल से हरवा दूंगी। ...(व्यवधान) मुझे वहां जाने की जरूरत नहीं है।...(व्यवधान)

**अध्यक्ष महोदया :** सुषमा जी, आप इधर देखकर बोलिए।

â€¦(व्यवधान)

**अध्यक्ष महोदया :** आप बैठ जाइए। आप क्यों खड़े हो गए हैं?

â€¦(व्यवधान)

**श्रीमती सुषमा स्वराज :** जहां तक विषय का ताल्लुक है, मुझे संसदीय कार्य मंत्री जी की दो बातों पर घोर आपत्ति है। एक तो उन्होंने कहा यह चीप गिमिक है। आप जानती हैं एक तो यह शब्द असंसदीय है और दूसरा यह शब्द यहां सत्य से परे है। हम यहां कोई गिमिक करने के लिए खड़े नहीं हुए हैं। दूसरी बात इन्होंने कही कि यह आपके लोगों की रिपोर्ट है। अध्यक्ष जी, नहीं, मैं कहना चाहती हूं कि यह रिपोर्ट किसी भाजपाई ने नहीं बनाई है। जब 353 नोटिस की बात हो रही थी तब मैंने कहा था कि 353 का नोटिस उस समय दिया जाता है जब आप एलीगेशन लगा रहे हों। हम आरोप नहीं लगा रहे हैं हम एक रिपोर्ट की फाइंडिंग और रिकमेंडेशन्स केवल पढ़कर बता रहे हैं इसलिए 353 नोटिस की आवश्यकता नहीं है। मैं बताती हूं कि किसकी रिपोर्ट है। ...(व्यवधान) अध्यक्ष महोदया, इन्होंने रिपोर्ट का विश्लेषण भी कर दिया और कहा कि यह फर्जी रिपोर्ट है...(व्यवधान)

MADAM SPEAKER: Not to be recorded. Nothing else will be recorded.

*(Interruptions) â€¦**

**श्रीमती सुषमा स्वराज :** अध्यक्ष महोदया, किस प्रशासक के साथ मंत्री जी का क्या झगड़ा रहा है या उसमें किस अफसर के साथ क्या बना रहा, वह हमारे लिये प्रासंगिक नहीं है। प्रासंगिक यह है कि यह रिपोर्ट जिस मि. शेरगिल ने बनाई है, वह इस समय एडीशनल सैक्रेटरी, इरिगेशन, पंजाब हैं।...(व्यवधान)

जिस व्यक्ति ने इनके खिलाफ रिपोर्ट दी है, वह बी.जे.पी.वाला नहीं है।...(व्यवधान)

**अध्यक्ष महोदया :** सुषमा जी, आप इधर देखकर बोलिये।

â€¦(व्यवधान)

MADAM SPEAKER: Not to be recorded. Nothing else will be recorded.

*(Interruptions) â€¦**

**श्रीमती सुषमा स्वराज :** अध्यक्ष महोदया, आप उन्हें रोकिये, क्या इस तरह से चलेगा? यह रनिंग कमेंटरी चल रही है। एक बार अनदेखी की लेकिन जब आपने प्यार से कहा तो बैठ जाना चाहिये लेकिन इसका क्या अर्थ है कि यह रिपोर्ट फर्जी है। क्या इन लोगों के कहने से रिपोर्ट फर्जी हो गई?...(व्यवधान)

MADAM SPEAKER: Nothing else will go on record except what Shrimati Sushma Swaraj says.

*(Interruptions) â€¦**

**श्रीमती सुषमा स्वराज :** अध्यक्ष महोदया, चंडीगढ़ बी.जे.पी. शासित राज्य नहीं है। चंडीगढ़ एक यूनियन टैरिटरी है जहां सीधे केन्द्र सरकार की रिट चलती है। वहां राज्यपाल हैं। यह रिपोर्ट एडीशनल सैक्रेटरी, इरिगेशन, पंजाब की आयी है। संसदीय कार्य मंत्री जी ने दो बातों का जिक्र किया.िक इस रिपोर्ट में लिखा है कि वहां एक बूथ माफिया चलता है। उस बूथ माफिया को श्री पवन कुमार बंसल का संरक्षण प्राप्त है। यह इस रिपोर्ट में लिखा है। उन्होंने इस रिपोर्ट के बारे में कहा है कि इसे सी.बी.आई. को दे दिया जाये। अध्यक्षा जी, इसमें केवल यह नहीं लिखा कि केस सी.बी.आई. को दे दिया जाये। मैं आपको इसकी रिकमैंडेशन्स पढ़कर सुनाती हूं।...(व्यवधान)

**श्री जगदम्बिका पाल (डुमरियागंज):** अध्यक्ष महोदया, मेरा पाइंट ऑफ ऑर्डर है।...(व्यवधान)

**श्रीमती सुषमा स्वराज :** इसमें पाइंट ऑफ ऑर्डर कहां से आ गया, मैं रिपोर्ट पढ़ रही हूं।...(व्यवधान)

**अध्यक्ष महोदया :** ज़ीरो ऑवर चल रहा है, कोई पाइंट ऑफ ऑर्डर नहीं है। आप लोग बैठिये।

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF PARLIAMENTARY AFFAIRS, MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF PERSONNEL, PUBLIC GRIEVANCES AND PENSIONS AND MINISTER OF STATE IN THE PRIME MINISTER'S OFFICE (SHRI V. NARAYANASAMY): Will she yield for a minute? ...(*Interruptions*) Will she yield for a minute? ...(*Interruptions*)

**श्रीमती सुषमा स्वराज :** अध्यक्ष जी, आप मंत्री जी को बैठाइये।

SHRI V. NARAYANASAMY: Will the hon. Leader of the Opposition yield for a minute? ...( *Interruptions*) Will she yield for a minute? ...(*Interruptions*)

SHRIMATI SUSHMA SWARAJ : No. I am not yielding. ...(*Interruptions*) मैं रिपोर्ट की एक फाइंडिंग और रिकमेंडेशन पढ़ रही हूं। ...(व्यवधान)

**अध्यक्ष महोदया :** आप लोग बैठ जाइये। अभी ज़ीरो ऑवर चल रहा है। आप लोग बैठ जाइये।

**श्रीमती सुषमा स्वराज :** अध्यक्ष महोदया, मैं रिपोर्ट की केवल एक फाइंडिंग और रिकमैंडेशन पढ़ रही हूं। मैंने फाइंडिंग तो बता दी जिसमें उन्होंने लिखा है कि

> "Booth mafia is operating in Chandigarh and this mafia has got the protection of the Minister."

नाम दिया है मि. पवन कुमार बंसल, पार्लियामेंटरी अफेयर्स मिनिस्टर ऑफ साइंस एंड टैक्नौलौजी मिनिस्टर। मैं केवल एक रिकमेंडेशन पढ़कर बता रही हूं। उन्होंने केवल यह नहीं कहा कि सी.बी.आई. को केस दे दो, सी.बी.आई. क्या करे, यह जरा सुनिये।

> "CBI should also investigate the linkage of fraud to higher levels of authority by way of corruption money, reaching to the senior officers and contributions from the illegal and ineligible licensees to the election fund of Shri Pradeep Chhabra, Ex-Mayor and Shri Pawan Kumar Bansal, MP and Minister of Parliamentary Affairs and Science and Technology, Government of India, New Delhi."

मेरा यह कहना है कि देश में जो भ्रष्टाचार का एक वातावरण बना हुआ है, उसमें बूथ घोटाला सामने आया है। इस रिपोर्ट में कहा गया है कि सी.बी.आई. इस केस की जांच करे और सी.बी.आई. यह भी जांच करे कि इस बूथ घोटाले के अंदर जो फ्रॉड हुआ है, जो करप्शन मनी है, वह श्री पवन कुमार बंसल को कितनी गयी, श्री प्रदीप छाबड़ा को कितनी गई, इस रिपोर्ट में यह कहा गया है।

महोदया, इसलिए हमारी इसमें मांग है, ये जो बार-बार कह रहे थे कि आप कमेटी बना लो, आप कमेटी बना लो, हमें कमेटी नहीं बनानी है। इसकी जो रिकमंडेशन है, यह केस सीबीआई को दिया जाना चाहिए और इन्वेस्टीगेशन में ये दोनों बातें आनी चाहिएं कि कितना पैसा इलेक्शन फंड में गया है, मंत्री जी को और प्रदीप छाबड़ा को, यह हमारी मांग है। इसलिए यह कहना कि यह रिपोर्ट फर्जी है, यह रिपोर्ट रद्दी की टोकरी में फेंकी जानी चाहिए, यह नहीं होगा। जितने घोटाले इस समय सामने आ रहे हैं, उनमें से एक नया बूथ घोटाला इस रिपोर्ट ने सामने उजागर किया है।

**अध्यक्ष महोदया :** धन्यवाद। श्री पवन कुमार बंसल।

â€¦(व्यवधान)

**अध्यक्ष महोदया :** आप बैठ जाइये।

â€¦(व्यवधान)

**अध्यक्ष महोदया :** आप बैठ जाइये।

â€¦(व्यवधान)

**अध्यक्ष महोदया :** आप बैठ जाइये।

â€¦(व्यवधान)

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF PLANNING, MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF PARLIAMENTARY AFFAIRS, MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF SCIENCE AND TECHNOLOGY AND MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF EARTH SCIENCES (SHRI ASHWANI KUMAR): It is most unfortunate....(*Interruptions*) You do not even want to hear him....(*Interruptions*) It is absolutely unfair.

MADAM SPEAKER: Nothing, except what the hon. Minister is saying, will go on record.

*(Interruptions) â€¦ **

**संसदीय कार्य मंत्री, विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्री तथा पृथ्वी विज्ञान मंत्री (श्री पवन कुमार बंसल):** महोदया, सुषमा जी ने फिर वही आरोप दोहराये हैं, जिन्हें मैंने खारिज किया है।...(व्यवधान) महोदया, सुषमा जी ने फिर वही दोष दोहराये हैं, जिन्हें मैंने सुबह कहा था कि वे बिल्कुल बेबुनियादी और असत्य हैं।...(व्यवधान) वे बार-बार रिपोर्ट का जिक्र कर रही हैं, वह रिपोर्ट उनके हाथ में है।...(व्यवधान) मुझे ताज्जुब है कि अगर यह रिपोर्ट इनकी नहीं होती तो कैसे भारतीय जनता पार्टी के एक-एक सदस्य के हाथ में यह रिपोर्ट होती? ...(व्यवधान) अभी तो यह रिपोर्ट सरकार को सौंपी गयी है, यह रिपोर्ट मेरे पास नहीं है, इसके कुछ अंश मुझे इन लोगों से मिले हैं, जो जानते हैं कि ये गलत काम वहां कर रहे हैं।...(व्यवधान)

MADAM SPEAKER: Nothing is going on record.

*(Interruptions) â€¦**

**14.27 hrs.**

*At stage Shri K.D. Deshmukh and some other hon. Members came and stood on the floor near the Table*

**श्री पवन कुमार बंसल:** महोदया, यह इनकी मर्यादा है। यह इनकी मर्यादा है। यह फैसीज्म के अलावा कुछ नहीं है। अगर मुझे बोलने का मौका नहीं दिया जा रहा है और वे अपनी बात को सही समझते हैं, मैं बार-बार वही कह रहा हूं कि जिनका जिक्र ये कर रहे हैं, उन्होंने एक अफसर और वह अफसर भी सिर्फ एक एसडीएम उसके साथ मिलकर जबरदस्ती उसमें दो लाइनें डलवायी हैं।...(व्यवधान)उसके लिए कोई एवीडेंस नहीं है। मैं सुषमा जी को एक चुनौती और देता हूं कि अगर वे नैतिकता की बात करती हैं, अगर वे नैतिकता में विश्वास करती हैं और जिस सच पर पहुंचना चाहती हैं, वहां पहुंच ली हैं, तो वे देखें कि क्या उसमें कोई एवीडेंस है? क्या किसी एक विटनेस का जिक्र है, पवन बंसल का नाम उसमें हैं, मुझे अभी निकालकर बतायें।...(व्यवधान) रिपोर्ट इनके हाथ में है। ...(व्यवधान) उसमें मेरा नाम दिखायें कि कहां है?...(व्यवधान) किस एवीडेंस में, किसका एवीडेंस हुआ है, जिसमें वह नाम आया है।...(व्यवधान) महोदया, यह इन्होंने एक तरीका अपना लिया है कि अपनी बात कही और उसके बाद हाउस नहीं चलने दो।...(व्यवधान) ये लोकतंत्र की धज्जियां उड़ा रहे हैं। ...(व्यवधान)यहीं मैं इनकी साजिश की बात करता हूं।...(व्यवधान) इनका एक बड़ा गेम प्लान है।...(व्यवधान)

They want to destabilise the country. I must warn, Madam, about thatâ€¦ (*Interruptions*) This is the murder of democracy, Madam â€¦ (*Interruptions*) This is the murder of democracy, the way they are behaving now. It is precisely for this reason that they want to create an environment of instability in the country. But I can assure them again,...(*Interruptions*) They tried their best day before yesterday in Chandigarh. They tried to create scene in my house. Nobody could turn up there. They know it. In the city the people were not with them. They tried to go from shop to shop. Their leader was shown black flag by the people there. It is precisely because of the reason that truth is bitter, now Sushma ji has sent these people here. It is because she knows, सुषमा जी जानती हैं कि वे मिट्टी के पैरों पर खड़ी हैं।...(व्यवधान) सुषमा स्वराज जी जानती हैं कि वे मिट्टी के पैरों पर खड़ी हैं।...(व्यवधान) इस कारण वे बात सुन नहीं सकती हैं। उन्हें तकलीफ हुई, जब मैंने सुबह कहा और इसीलिए वे इन सभी को यहां भेज रही हैं कि वे शोर करते रहें।...(व्यवधान)

MADAM SPEAKER: Please go back to your seats.

...(*Interruptions*)

MADAM SPEAKER: Nothing will go on record.

*(Interruptions) â€¦ **

**श्री पवन कुमार बंसल :** मैं आपसे दरख्वास्त करता हूँ कि इनको आप बैठाइए। अगर इस पर डीबेट करवाना चाहते हैं तो करवाइए। अगर आप चाहते हैं तो सीबीआई में भी इनक्वायरी चलती रहे, आप चाहें तो सिटिंग जज अपॉइंट करवा दीजिए, ये अपना एफिडैविट वहाँ दें। उसके अलावा अगर ये चाहते हैं तो आप इसको एथिक्स कमेटी में भेज दीजिए। ये चाहते हैं और इनकी कोशिश यह है कि मैं अपनी जगह अपना काम न कर सकूँ। मैं उस ब्रीच ऑफ प्रिविलेज का ज़िक्र नहीं करूँगा लेकिन मैं सिर्फ यह चाहता हूँ कि ये पार्लियामैंट को चलने दें। ये दूसरों को सुनने की शक्ति रखें कि दूसरा भी कोई बात कह पाए। मैं इस वक्त येदुरप्पा जी की बात नहीं कर रहा, लेकिन मैं यह ज़रूर कह रहा हूँ कि इनकी तरह पैसा मेरे लिए भगवान से ज्यादा नहीं है, पैसा मेरे लिए किसी बात से ज्यादा नहीं। पैसा इनके लिए भगवान नहीं है, लेकिन भगवान से कम भी नहीं है। यह भारतीय जनता पार्टी की नीति है, हमारी नहीं है। अगर एक पैसे की भी गड़बड़ कहीं करते हुए आपने मुझे देखा तो

मैं उसके लिए ज़िम्मेदार हूँ। â€¦(व्यवधान)